Issue 09 January 2022

BullionWorld

World of Bullion Research

www.bullionworld.in

प्रिशियस मेटल्स बाजार परिदृश्य २०२२
सुकी कूपर,एग्ज़िक्युटिव डायरेक्टर,
प्रिशियस मेटल्स रिसर्च, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक
08

वर्ष २०२२ का गोल्ड एवं करेंसी बाजार आउटलुक
श्री राम पित्रे, इक्विटी–कमोडिटी व करेंसी स्ट्रैटजिस्ट,
ईको फिन कन्सल्टेन्ट एलएलपी
12

वर्ष २०२२ मे गोल्ड बाजार
श्री हर्षल बरोट, सीनियर कन्सल्टेन्ट,
मेटल फोकस
16

Happy New Year
2022

RESHAPING VALUE, FOR A CENTURY & BEYOND.

RESHAPING VALUE

IT'S NOT JUST WHAT WE DO, IT'S HOW WE'RE RESHAPING THE WAY WE DO IT.

There was a time when value in the industry was measured only in purity, and weight, but today provenance and ethical background play an important part in value. Which is why we are always evolving how we source our metal. Our commitment to responsible business practices and sourcing, allow us to not only preserve our business, but our industry and planet.

LBMA
GOOD DELIVERY REFEREE

www.randrefinery.com

RAND REFINERY

s a m
SAM PRECIOUS METALS
WE KNOW WHAT
Precious
REALLY MEANS.

SEQUEL

#SaferwithSequel

Introducing Fully Automated Weighment System

Auto capture of Weight, Dimensions & Image at Origin & Destination

- Enhanced Content Security
- Accurate & Transparent Invoicing

Weighing machine used by Sequel: Falcon-Cubizon-R-Eco

No human intervention/error

Exact gross weight captured with location and time stamp

Accurate measurement of dimensions (L x B x H)

Real-time package imaging for audits & enquiries

View weight, dimensions & image on Sequel247

**Currently used in select cities.*

Download the SEQUEL247 app: | Connect with us: @SequelLogistics

secure@sequel.co.in | +91 901 902 4444 | www.sequelglobal.com

EDITORIAL

प्रिय पाठकों,
नववर्ष २०२२ की हार्दिक शुभकामनायें!

वर्ष २०२१ मे गोल्ड व सिल्वर का प्रदर्शन कैसा था? अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे गोल्ड १९०२ डालर/आउंस से लेकर १७०२ डालर/आउंस पर दायरे मे कारोबार करता नजर आया है। सिल्वर के लिहाज से कारोबारी दायरा थोड़ा बढ़कर २७.७९ डालर/आउंस से लेकर २२.१८ डालर/आउंस के स्तर पर देका गया है। इस तरह से कहा जा सकता है कि बीते वर्ष के दौरान गोल्ड व सिल्वर ने दायरे मे कारोबार किया तथा थोड़ी नीचे आ गयी है।

गोल्ड के भाव मे स्थिरता के चलते मांग मे तेजी देखने को मिली है, एक अनुमान के अनुसार वर्ष २०२१ मे भारत ने लगभग १,००० टन गोल्ड का आयात किया है। यह स्तर वर्ष २०११ मे हुए आयात के बराबर है, इसी तरह से सिल्वर आयात मे भी भारी वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है। गोल्ड पेपर उत्पादों जैसे कि ईटीएफ, सोवरिन गोल्ड बान्ड, डिजीटल गोल्ड इत्यादि मे भी तेज मांग देखने को मिला है। सिल्वर ईटीएफ की शुरुआत ने इस समय को और भी महत्वपूर्ण बना दिया है।

भारत मे आज २५० जिलों मे गोल्ड हॉलमार्किंग अनिवार्य बना दी गयी है, अनेकों चुनौतियों के बावजूद ग्राहकों के हित मे उठाया गया यह एक महत्वपूर्ण कदम है। सलाहकार समितियों के माध्यम से सभी प्रकार के समाधान प्रदान किये जा रहे है। हाल मे सरकार ने हॉलमार्क को पूरे देश मे अनिवार्य करने की बात कही है।

वर्ष २०२१ को भारत के सबसे पहले वित्तीय सेवा केन्द्र एसईज़ेड– इन्डिया इन्टरनैश्नल बुलियन एक्सचेंज (आईआईबी–एक्स)– की स्थापना के लिये याग रखा जायेगा। देश पांच प्रमुख संस्थानो ने भारत को विश्वस्तरीय बुलियन कारोबार की सुविधा प्रदान करने के लिये एक ही स्थान पर कार्य शुरु किया है। इस बुलियन एक्सचेंज का नियमन आईएफएससीए के द्वारा किया जायेगा जबकि स्पॉट गोल्ड एक्सचेंज का नियामक सेबी को बनाया गया है। दोनो एक्सचेंज भारत मे गोल्ड के कारोबार को एक नया आयाम प्रदान करेंगे जो कि अंतर्राष्ट्रीय मानकों तथा कानूनों के अनुकूल कार्य करेगा। आगे आने वाले समय मे एक एक्सचेंज के माध्यम से कारोबार वैश्विक स्तर पर होने लगेगा और भारत का अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे एक अहम स्थान बन जायेगा।

पिछले कुछ वर्षों मे गोल्ड ने निवेशकों को काफी लाभ प्रदान किया है लेकिन वर्तमान मे इन्फ्लेशन के चलते खरीदी मे उतनी तेजी नही देखने को मिल रही है। इस साल २०२२ के दौरान गोल्ड का भाव १६०० से १८०० डालर/आउंस के दायरे मे रहने का अनुमान कुछ बैंको तथा ब्रोकरेज संस्थानों द्वारा लागाया गया है। इस अंक मे हमने बाजार परिदृश्य के लिये कुछ विशेषज्ञ संस्थानों की राय प्रकाशित किया है।

हमे आशा है आपको यह अंक पसंद आयेगा।
यदि आपके पास हमारे मैगजीन के लिये कुछ दिलचस्प विषय है तो हमारे साथ पर साझा ज्छत्ळब्ट₹घ्न्न्त्बफ्ष्ब्ट्न्छ.त्फ करें।

शुभकामनाओं सहित
नीलाम्बर दासगुप्ता
एडिटर

ADVISORY BOARD

Rajesh Khosla
Prithviraj Kothari
Bhargava Vaidya
Surendra Mehta

CEO & DIRECTOR
G Srivatsava

COO
Vinayak Meharwade

VICE PRESIDENT
Abhinaya

EDITOR
Neelambari Dasgupta

DESIGNER
Radhika

WEB DESIGN
Manivannan

DATA SUPPORT
Gajendra

Team:
Swapna BE
Srikantharaman LS
Ravi
Shivakumar
Jaisheelan

PUBLISHING OFFICE
Bullion World
#155, 3rd Floor, Brahmalingeshwara Complex, Old Airport Road, Kodihalli
Bangalore - 560008

Tel: + 91-80-41535476
Email: editor@bullionworld.in
Web: www.bullionworld.in

Bullion World neither endorses the advertised product, service or company nor any of the claims made by the advertisement or the advertiser. Readers are encouraged to do necessary due diligence before initiating any action. Should you like to share your feedback on any of advertisers, please write to editor@bullionworld.in

08
प्रिशियस मेटल्स बाजार परिदृश्य २०२२
सुकी कूपर,एग्ज़िक्युटिव डायरेक्टर, प्रिशियस मेटल्स रिसर्च, स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक

12
uÉwÉï 2022 MüÉ aÉÉåsQû LuÉÇ MüUåÇxÉÏ oÉÉeÉÉU AÉEOûsÉÑMü
ी राम पित्रे, इक्विटी–कमोडिटी व करेंसी स्ट्रैटजिस्ट, ईको फिन कन्सल्टेन्ट एलएलपी

16
वर्ष २०२२ मे गोल्ड बाजार
श्री हर्षल बरोट, सीनियर कन्सल्टेन्ट, मेटल फोकस

19
भौतिक मेटल से सकारात्मक आय अर्जित करने की पुरानी समस्या का समाधान संभव
श्री डेविड जे. मिचेल, फाउन्डिंग पार्टनर, ऑक्टस पोर्टफोलिओस

27
SILVER STORY

39
Data, Statistics & IBJA Rates

NSE | Commodity Derivatives

www.nseindia.com

Introduction of 1 gram Gold contract with delivery-based settlement on NSE Commodity Derivatives segment.

In addition to the Gold Futures (1 Kg) contracts and Gold Mini (100 gms) contracts, NSE is pleased to launch 1 gram Gold contracts w.e.f. June 07, 2021, on its NSE Commodity Derivatives segment.

Key Highlights

- Assured delivery of 999.0 purity gold
- Competitive making charges
- Delivery only from NSE approved Domestic Refiners or London Bullion Market Association (LBMA) certified Refiners
- One step closer to Atmanirbhar Bharat

List of NSE Approved Refiners

- M/s Augmont Enterprises Pvt. Ltd.
- M/s GGC Gujarat Gold Centre Pvt. Ltd.
- M/s Kundan Care Products Ltd.
- M/s M. D. Overseas Ltd.

For more details, log onto **www.nseindia.com** or contact your **SEBI registered broker**

DISCLAIMER: The information contained in this brochure including text, graphics or other items are provided on an 'as is', 'as available' basis. NSEIL does not warrant the accuracy, adequacy or completeness of this information and material and expressly disclaims liability for errors or omissions in this information and material. No warranty of any kind, implied, express or statutory, including but not limited to the warranties of non-infringement of third party rights, title, merchantability and fitness for a particular purpose is given in conjunction with the information and materials. In no event will NSEIL be liable for any damages, including without limitation direct or indirect, special, incidental, or consequential damages, losses or expenses arising in connection with this brochure or use thereof or inability to use by any party, or in connection with any failure of performance, error, omission, interruption, defect, even if NSEIL or representatives thereof, are advised of the possibility of such damages, losses or expenses.

प्रिशियस मेटल्स बाजार परिदृश्य २०२२

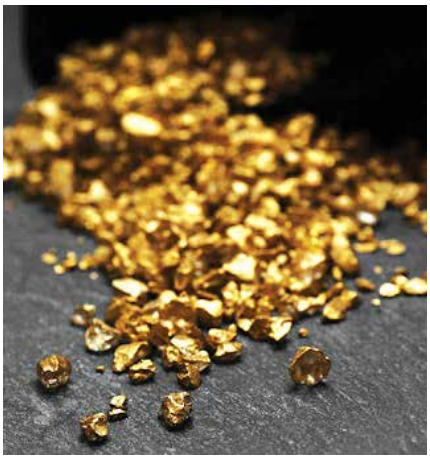

सुकी कूपर,
एग्ज़िक्युटिव डायरेक्टर, प्रिशियस मेटल्स रिसर्च,
स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक

वर्ष २०२२ मे प्रिशियस मेटल्स बाजार के लिए एक नयी प्रकार चुनौती खड़ी दिखाई दे रही है जहां पर प्रिशियस मेटल्स की मांग व सप्लाई झटके लग सकते है। प्रिशियस मेटल्स बाजार मे पैलेडियम मे घाटा उठाना पड़ा है जबकि गोल्ड इससे बच गया है। आने वाले समय मे हमे तीन प्रमुख विषयों को ध्यान मे रखना होगा– संपत्ति खरीदी मे गिरावट तथा ब्याज दर मे वृद्धि, बाजार मे सेमीकन्डकर की सप्लाई का परिदृश्य तथा पिछले साल के मुकाबले २०२२ मे आर्थिक अनुमानों पर बदलाव। हमारा अनुमान है कि २०२२ के दूसरे छमाही तक सप्लाई चेन की दिक्कतों मे सुधार हो सकता है लेकिन औद्योगिक मांग मजबूत बनी रहेगी, साथ हमारा यह भी पूर्वानुमान है कि २०२२ मे

फेड ब्याज दरों से नियंत्रण समाप्त कर देगा और यह बढ़ने लगेंगी।
हम आने वाले समय मे गोल्ड के भाव मे तेजी होने का अनुमान लगा रहें है, इसके अलावा औद्योगिक धातुओं जैसे कि सिल्वर, प्लेटिनम, पैलेडियम इत्यादि के भाव मे सप्लाई चेन की अड़चनों के समाप्त होने तथा मजबूत औद्योगिक मांग के चलते तेजी जारी रहेगी।

वर्ष २०२१ मे गोल्ड के लिए अनेक विपरीत परिस्थितियां निर्मित हो गयी थी जैसे कि डालर मे मजबूती, शेयर बाजार का बेहतर प्रदर्शन, टीकारण की शुरुआत, कमोडिटी लिक्ड उत्पादों का पोर्टफोलियों मे समावेश, इलेक्ट्रानिक वाहनों मे जोर इत्यादि। इस साल २०२२ मे इन परिस्थियों के आसान होने का अनुमान लगाया जा रहा है। सेन्ट्रल बैंक अभी भी गोल्ड के प्रमुख खरीदार है।

हालांकि वृहद परिवेश मे गोल्ड के भाव तेज रहेंगे क्योंकि डालर मे कमजोरी आने की संभावना है तथा वास्तविक ब्याज दर नकारात्मक बनी रहेगी। बड़ी इन्फ्लेशन की दर ने इससे जनित मंदी की आहट दे दी है तथा बाजार मे फेड के ब्याज दर पर नियंत्रण हटने तथा इसके बढ़ने का इंतजार है। नवंबर माह मे फेड की बैठक के पहले तक गोल्ड निवेशक इसमे अपना निवेश बढ़ाने से हिचक रहें थे लेकिन अब वह धीमे से समाप्त होती दिखायी दे रही है।

गोल्ड बढ़ते भाव तथा स्टेगफ्लेशन की चिंताओं के चलते दबाव मे आ सकता है। ब्याज की नीची दर सामान्य रुप से गोल्ड के ऊपरी जोखिम के लिए सहयोगी होती है लेकिन इस साल यह चिंता नही रहेगी। इन्फ्लेशन तथा बढ़ी बेरोजगारी की दर (माइज़री इन्डेक्स) हमेशा गोल्ड के भाव मे वृद्धि के लिये सहायक नही होती है।

वैश्विक मंदी, १९७३–८६, के दौरान गोल्ड के भाव मे २५% की वृद्धि आयी थी तथा यह माइज़री इन्डेक्स के बढ़ने अनुसार अधिक बढ़ती है। हमारा अनुमान है कि अमेरिकी इन्फ्लेशन अगले साल औसतन ३.५% रहने का अनुमान है तथा जीडीपी दर २% से नीचे नही रह सकती है। मुद्रास्फीति जनित मंदी हमेशा गोल्ड के लिये विपरित परिस्थिति नही साबित होते है।

निवेशकों का रुख अब गोल्ड की तरफ सकारात्मक हो रहा है। हालांकि पिछले साल तकनीकी पोजिशन काफी छोटी थी तथा ईटीएफ होल्डिंग मे गिरावट रही है। बाजार मे फेड के नियंत्रण घटाने की घोषणा का विशेष असर नही देखने को मिला है, ब्याज दर मे किसी अप्रत्याशित बढ़त नही होने के अनुमान से शार्ट टर्म निवेशकों ने गोल्ड मे अपनी पोजिशन मजबूत की है। गोल्ड अब डालर से अधिक वास्तविक ब्याज दर को ट्रैक करता है।

निवेशकों द्वारा गोल्ड मे अपनी पोजिशन बढ़ाये जाने कि साथ ही भारत जैसे बाजार मे त्योहारी तथा वैवाहिक मांग मे मजबूती ने गोल्ड के भाव मे तेजी के लिये एक अच्छा नींव प्रदान किया है।

वर्ष २०२१ की तीसरी तिमाही के दौरान पीजीएम समूह की धातुओं के भाव मे अत्याधिक दबाव देखने को मिला है जिसमे कि पैलेडियम व रोडियम के भाव २०% तक गिर गये थे। पैलेडियम मे रणनीतिक पोजिशन विक्रेता की रही है। सेमीकन्डकर चिप शार्टेज के चलते पीजीएम धातुओं की मांग प्रभावित हुई है। एक रिपोर्ट के अनुसार सेमीकन्डकर की कमी २०२३ तक बहाल नही की जा सकती है जिससे कि वाहन निर्माताओं को २०२१ के मुकाबले अधिक घाटा होने का अनुमान है। अमेरिका के वाहन मूल्य इन्डेक्स अपने उच्चतम स्तर तक पहुंच गयी है जबकि आटो इन्वेन्टरी अपने एक नये नीचले स्तर पर पहुंच गयी है। चीन की

आटो इन्वेन्टरी दिसंबर २०१७ के बाद अपने न्युनतम स्तर पर आ गयी है।

वर्ष २०२१ मे आटो उत्पादन ५.२ से ७.७ मिलियन युनिट होने का अनुमान लगाया गया है। प्लेटिनम के लिहाज से इसके चलते १.७५ लाख आउंस से २७५ लाख आउंस मांग मे कमी होने का अनुमान है। जबकि पैलेडियम के लिये ८ लाख आउंस तथा रोडियम के लिये यह घाटा १ लाख आउंस होने का अनुमान लगाया गया है। वर्ष २०२२ मे हमारा अनुमान है कि पैलेडियम की सप्लाई कम मात्रा मे लेकिन घटी रहेगी तथा प्लेटिनम मे एक छोटा सरप्लस देखने को मिल सकता है। वर्ष २०२२ की दूसरी छमाही से सप्लाई चेन मे बेहतरी होने से मांग मे मजबूती होने का हमारा अनुमान है।

CHART 1: ALTHOUGH ALL FOUR METALS ARE DOWN IN 2021, GOLD AND SILVER ARE TRADING ABOVE PRE-PANDEMIC LEVELS

Note: Indexed at January 2020. Source: Standard Chartered Research, Bloomberg

CHART 2: GOLD AND PLATINUM ETF HOLDINGS ARE DOWN FOR THE YEAR

Note: Indexed at January 2021. Source: Standard Chartered Research, various ETF websites, Bloomberg

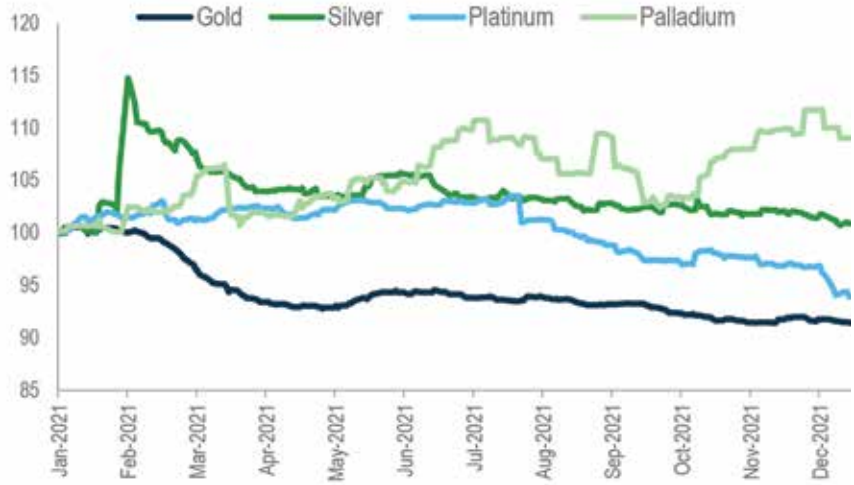

लेखक के बारे मे:
सूकी न्युयॉर्क मे बैंक की प्रिशियस मेटल्स एनालिस्ट विभाग मे कार्यरत है, गोल्ड, सिल्वर, प्लेटिनम, पैलेडियम तथा अन्य पीजीएम समूह की धातुओं तथा इनके उत्पादक व खपतकर्ता बाजारों पर रिसर्च इनका प्रमुख कार्य है। सुकी पिछले ११ वर्षों से प्रिशियस मेटल्स रिसर्च क्षेत्र से जुड़ी है, वर्ष २०११ मे इन्होने बार्कलेस से स्टैंडर्ड चार्टर्ड ज्वाइन किया है। इससे पहले वह प्राइसवाटरहाउस कूपर मे चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट थी। सुकी, लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन (एलबीएमए) की पब्लिक अफेयर कमेटी की सदस्य भी है। इन्होने इन्स्टिट्युट ऑफ चार्टेड एकाउन्टेन्ट्स इंग्लैड एन्ड वेल्स (आईसीएईडबल्यु) मे एसीए फेलोशिप किया है।

EXCHANGE TRADED BULLION CONTRACTS -

FAIR AND TRANSPARENT MEANS OF INVESTMENT

SMALLER DENOMINATION GOLD & SILVER FUTURES CONTRACTS

Developing gold and silver as an asset class. Investment in smaller denomination contracts backed with delivery is witnessing an increasing interest from retail participants.

Smaller denomination contracts are designed to cater to the organized retail investor demand. They also capture the imagination of a fast emerging new-age clientele with an evolving view on gold and silver as an investment class.

SALIENT FEATURES

- Smaller denomination contract
- Providing a systematic investment plan (SIP) type of flexibility.
- Coins and bars can be held and accumulated in the electronic format and physical delivery also available
- It comes with an individual assaying certificate, quality assurance given
- Convenience of transaction and liquidity of exchange platform are key advantages
- Better Cash flow management and margin protection
- Inventory hedging amid volatile prices

MCX
METAL & ENERGY
Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND

Issued in Public Interest by Multi Commodity Exchange Investor Protection Fund
Read the Risk Disclosure Document (RDD) carefully before transacting in commodity futures and options

वर्ष २०२२ का गोल्ड एवं करेंसी बाजार आउटलुक

श्री राम पित्रे, इक्विटी–कमोडिटी व करेंसी
स्ट्रैटजिस्ट, ईको फिन कन्सल्टेन्ट एलएलपी

क्या २०२२ मे गोल्ड चमक बढ़ेगी?

प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय बाजारों मे हाजिर गोल्ड अपने मासिक उच्चतम स्तर १८३० डालर/आउंस पर स्थिर होता जा रहा है। अमेरिकी वास्तविक ब्याज दर मे गिरावट के बाद यह अपने साप्ताहिक न्युनतम स्तर १७८५ डालर/आउंस से ऊपर गया है।

ओमिक्रान के खतरे के चलते अर्थव्यवस्था मे होने वाले संभावित नुकसान को परे रखने तथा सेन्ट्रल बैंको व अन्य संस्थानों के नीतिगत बदलाव निर्णय के चलते हाजिर बाजार मे गोल्ड का भाव २.५% तक मजबूत हो सकता है, जो कि अपने पिछले माह के न्युनतम स्तर १७६० डालर/आउंस से ३.५% बढ़ा है।

इन नये साल ने अनिश्चितता कायम रह सकती है क्योंकि फेड अपनी मौद्रिक नीतियों मे कसाव करने वाला है। इसके साथ ही इन्फ्लेशन का खतरा बढ़ता ही रहेगा जिससे कि वास्तविक ब्याज दर नकारात्मक

दायरे मे ही रहेंगी।

मेरे विचार से इन्फ्लेशन के बढ़ने से गोल्ड को फायदा मिलेगा। मुझे यह अच्छे से पता है कि गोल्ड इन्फ्लेशन को हेज करने का श्रेष्ठ माध्यम नही है लेकिन ऐतिहासिक रुप से देंखे तो बढ़ते इन्फ्लेशन और गोल्ड के भाव मे अच्छा सहसंबंध रहा है।

हालांकि बढ़ते इन्फ्लेशन के चलते फेड अपनी मौद्रिक नीति मे कसाव कर सकता है, प्रोत्साहन पैकेज शुरु कर सकता है। इसके अलावा फेड द्वारा ब्याज दरों मे वृद्धि किये जाने की संभावनायें भी बाजार मे कायम है।

इस तरह से हमने वर्ष २०२१ मे दो बातें सीखीं है, एक अकेले इन्फ्लेशन पर भरोसा नही करना चाहिये तथा दूसरा, फेड के तर्रार मूड मे नही झगड़े

अंतर्राष्ट्रीय बाजार मे गोल्ड अभी १८३० डालर/आउंस के स्तर पर कारोबार कर रहा है, १८३२ से १८५० डालर/आउंस का स्तर सबसे पहले देखना होगा, यदि यह ब्रेक होता है तो यह अपने वर्ष २०११ के उच्चतम स्तर १९२१ डालर/आउंस के स्तर को पार कर सकता है। गिरावट की स्थिति मे गोल्ड का भाव को १७५३, १७२० तथा १६७५ डालर/आउंस के स्तर पर खरीदी समर्थन मिल सकता है। शार्ट टर्म के दौरान गोल्ड मे १७५३ से १८५० डालर/आउंस व लांग टर्म मे १६७५ से १९२५ डालर/आउंस का स्तर देखा जा सकता है।

क्या २०२२ मे रुपया नीचले स्तर पर जायेगा?

भारतीय रुपया दिसंबर २०२० मे अपने उच्चतम स्तर ७३.०१ रुपया/डालर से गिरकर ३१ दिसंबर २०२१ को ७६.३१ रुपया/डालर तक पहुंच गये थे, लेकिन इस बात फिर इसमे ७४.३३ रुपया/डालर तक मजबूत भी हुआ है।

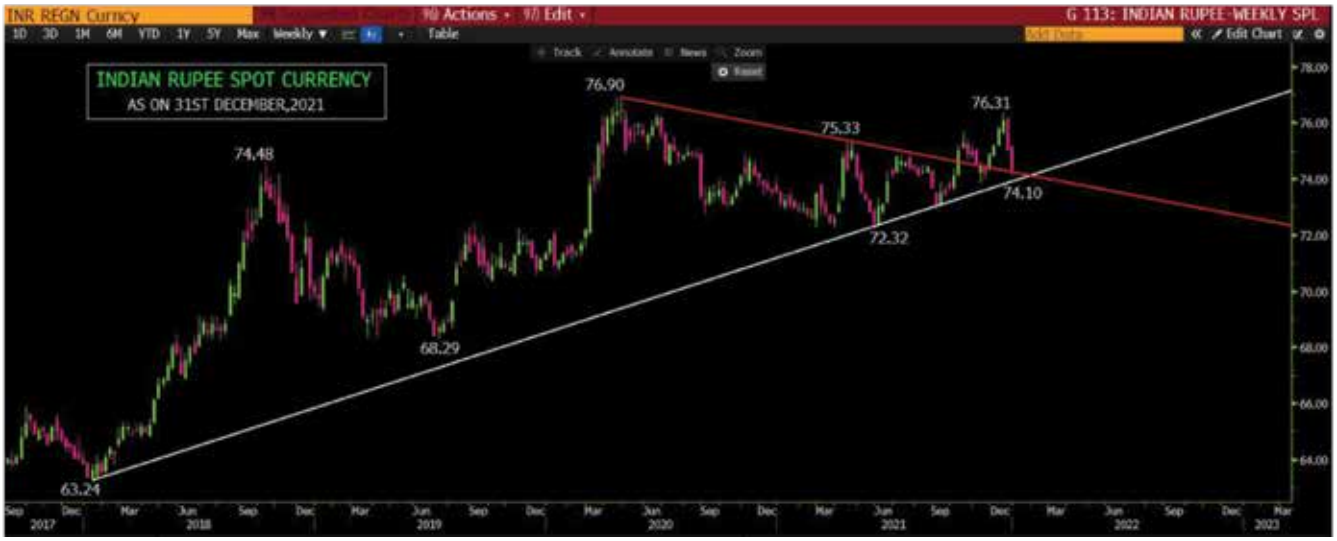

रुपया मे हालांकि गिरावट दर्ज की है लेकिन पिछले साल के दौरान यह एशिया पैसेफिक के अन्य करेंसियों की तुलना मे स्थिर साबित हुआ है।

वर्तमान मे कोविड तथा इन्फ्लेशन के चलते अर्तव्यवस्था मे नुकसान होने की संभावनाओं के बावजूद भारत मे विदेशी मुद्रा के बड़े भंडार व पर्याप्त एफडीआई होने के चलते भारतीय रुपया मे मजबूती बन सकती है। रुपया के साप्ताहिक चार्ट मे देखा जा सकता है कि मध्यम से न्युन अवधिअ के दौरान इसमे दबाव देखने को मिल सकता है।

मुझे लगता है कि रुपया अपने वर्तमान स्तर ७४.३३ से यदि यह ७३.६५ से ७३.४५ के स्तर तक आता है तो आयातकों को अपना पोजिशन कवर करना चाहिये। दूसरी ओर, निर्यातकों को अपना पोजिशन कवर करने के लिये ७५.९० से ७६.३०–७७.१० का स्तर आने का इंतजार करना चाहिये।

श्री राम पित्रे को ट्रेजरी प्रबंधन, कमोडिटी कारोबार, रिस्क प्रबंधन, बिजिनेस डेवेलपमेन्ट क्षेत्रों मे ३५ वर्षों से अधिक का अनुभव है जिसमे विश्व के दो अग्रणी अंतर्राष्ट्रीय बैंक भी शामिल है। आनंद राठी फाइनान्शियल सर्विसेस लिमिटेड, मुंबई से सीनियर वाइस प्रेसीडेन्ट– हेड–रिसर्च–कमोडिटी तथा करेंसी– पद से सेवानिवृत्त हुए है।

पांच पहले इन्होने इकोफिन कन्सल्टेन्ट एलएलपी संस्था शुरु की है, जिसमे ग्राहकों को तकनीकी लिहाज से कारोबारी रणनीतियां प्रदान की जाती है जिसमे फ़्राइज़ मैकेनिज़्म थ्योरी का प्रयोग किया जाता है। यह उनके स्वयं के द्वारा विकसित किया गया है।

राम पित्रे नियमित रुप से सीएनबीसी, ज़ी बिज़िनेस, ईटी नाऊ, ब्लूमबर्ग यूटीवी तथा अन्य क्षेत्रीय चैनलों मे विशेष विशेषज्ञ के रुप मे आमंत्रित किये जाते है।

BSE
EXPERIENCE THE NEW

BSE, THE ONLY EXCHANGE TO DELIVER PHYSICAL GOLD AND SILVER UNDER 'OPTIONS IN GOODS' CONTRACT BSE - BIS INDIA GOOD DELIVERY STANDARDS, SINCE LAUNCH.

To know more, send an e-mail to bdm@bseindia.com

THE WORLD'S FASTEST EXCHANGE WITH A SPEED OF 6 MICROSECONDS

www.bseindia.com | /BSEIndia | @BSEIndia | /BSEIndia | /BSEIndia

वर्ष २०२२ मे गोल्ड बाजार

श्री हर्षल बरोट, सीनियर कन्सल्टेन्ट,
मेटल फोकस

गोल्ड का वर्ष २०२० मे बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वर्ष २०२१ फीका साबित हुआ है। अगस्त २०२० मे पहुंचे २०७५ डालर/आउंस के उच्चतम स्तर के बाद भाव नवंबर माह मे १७६५ डालर के स्तर पर आ गये थे उसके बाद दिसंबर के अंत मे यह १९०० डालर/आउंस के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान गोल्ड के भाव मे २५% वार्षिक की दर से वृद्धि आयी है जो कि साल २०११ के बाद का श्रेष्ठ स्तर है। साल २०२१ की शुरुआत मे भाव ने उच्चतम स्तर को छूने का अनेक बार प्रयास किया लेकिन सफल नही हो सका, इस वर्ष के दौरान गोल्ड जून माह के १९०० के स्तर से गिरकर अगस्त मे १६९१ डालर/आउंस तक आ गया था। हालांकि इसके बाद भाव मे सुधार आना शुरु हुआ तथा यह १८०० डालर/आउंस पर कारोबार करने लगी जिसमे ३% अंर्तवार्षिकी बढ़त आयी है। इस सुधार के पीछे मुख्य रुप से मजबूत आर्थिक सुधार, नॉमिनल दर मे वृद्धि, ब्याज दरों मे वृद्धि की संभावना तथा इन्फ्लेशन मे वृद्धि के चलते प्रोत्साहन नीति मे बदलाव इत्यादि प्रमुख कारण है। इसके विपरित, कोरोना का बढ़ता प्रकोप, इन्फ्लेशन जनित मंदी की संभावना तथा नकारात्मक वास्तविक ब्याज दर गिरावट के कारण हो सकते है।

इस साल मे अनेक अनिश्चितताएं अभी भी कायम है। कोरोना की लहर फिर से शुरु होना, सप्लाई चेन मे अड़चने, भूराजनैतिक तनाव इत्यादि के चलते आने वाले साल मे भाव का पूर्वानुमान लगाना एक कठिन कार्य है। इसके अलावा बढ़ता इन्फ्लेशन तथा मौद्रिक नीतियों मे बदलाव से इसका परिसंपत्ति पर प्रभाव काफी महत्वपूर्ण है। आने वाले समय मे निवेश गतिविधियों के लिए ये सभी महत्वपूर्ण कारक साबित होंगे। अमेरिका मे सीपीआई इन्फ्लेशन वर्ष १९८२ के बाद अपने उच्चतम स्तर ६.८% पर पहुंच गया है। अन्य अर्थव्यवस्थाओं मे भी भाव तेजी की ओर बढ़ रहें है।

आने वाले समय मे यदि वैश्विक अर्थव्यवस्था इसी तरह से आगे बढ़ती रही तो चिंताकारक सभी समस्याएं खत्म हो जायेंगी। मेटल फोकस के साथ ही बाजार भी इस बात का समर्थन करता है। अमेरिकी इन्फ्लेशन की एक, दो तथा पांच वर्षिय पूर्वानुमान वर्तमान स्तर से काफी कम है। हालांकि यह तेजी से बढ़ रहा है तथा अपने उच्च स्तर पर है। इस दौरान वेतन मे स्थिरता है लेकिन बढ़ भी रही है क्योंकि काफी क्षेत्रों मे लेबर की संख्या कम हो रही है।

गोल्ड अपने पारंपरिक गुण, इन्फ्लेशन के लिये हेज, पर अभी भी कायम है। हालांकि वर्तमान मे गोल्ड के भाव मे नियंत्रण नही है और साथ ही ईटीपी, वायदा इत्यादि मे भी कारोबारी मात्रा काफी कम है। गोल्ड व इन्फ्लेशन के मध्य संबंध उतना सीधा नही है। मेटल फोकस का मानना है कि वास्तविक ब्याज दर तथा आय के माध्यम से ही इन्फ्लेशन गोल्ड को प्रभावित करता है। यही कारण है कि वर्तमान इन्फ्लेशन दर मे वृद्धि के बावजूद भी निवेशक उतनी तेजी से रुचि नही दिखा रहें है।

बाजार मे यह धारणा बन रही है कि नीतिगत ब्याज दरों मे वृद्धि हो सकती है जिससे उच्च इन्फ्लेशन तथा वास्तविक दर का प्रभाव समायोजित हो जायेगा। ऐसा अमेरिकी ट्रेजरी मे भी देखा गया है। इन सब के बावजूद वास्तविक दर तथा आय नकारात्मक क्षेत्र मे ही है जो कि गोल्ड के लिये अनुकूल परिस्थितियां प्रदान करेंगे। हमारा अनुमान है कि आने वाले कुछ माहों मे मेटल्स का अच्छा इन्फ्लो रहेगा लेकिन हमे इस बात का ध्यान भी रखना है कि इस साल मे यदि फेड ने ब्याज दर बढ़ाया तो गोल्ड के लिए परिस्थिति प्रतिकूल हो सकती है।

फेड के अनुसार इस साल २०२२ मे ब्याज दर मे तीन बदलाव किये जाने है, इसके साथ ही यह भी माना जा रहा है कि एफओएमसी अगले साल के दौरान ब्याज दर तीन बार बढ़ा सकता है। कोरोना की लहर एक बार फिर से शुरु होने अमेरिका अर्थव्यवस्था एक बार फिर प्रोत्साहन पैकेज पर आकर टिक गयी है जिससे दर मे वृद्धि की योजना आगे बढ़ायी जा सकती है।

हमारे अनुसार, ब्याज दर मे वृद्धि उतनी निकट समय मे नही होगी जितना उम्मीद किया जा रहा है। किसी प्रकार की अकस्मात या सटोरियात्मक खरीदी किये जाने की संभावना भी नही है। इस तरह से २०२२ की शुरुआत मे भाव मे वृद्धि मध्यम रह सकती है, कोई नाटकीय घटनाक्रम ही संस्थागत निवेशकों को खरीदी के लिये प्रोत्साहित कर सकती है। भाव मे मजबूती होने से निवेशक अपनी पोजिशन से बाहर निकलने का प्रयास करेंगे जिससे कि तेजी सीमित हो सकती है।

अगले साल की शुरुआत मे गोल्ड पर निवेश कमजोर रह सकता है। कुछ खतरे की संभावनाओ को छोड़कर गोल्ड को प्रभावित करने वाले कोई विशेष कारक नजर नही आते है। साथ २०२२ मे अर्थव्यवस्था की मजबूत रिकवरी के अनुमान का अर्थ शेयर बाजार के लिये अधिक फायदेमंद रहेगा। नॉमिनल तथा रीयल ब्याज दर मे वृद्धि की तुलना शून्य आय के परिसंपत्ति जैसे कि गोल्ड से होने की स्थिति मे निवेशक गोल्ड से परे जाना पसंद करेंगे। भाव मे तेजी की स्थिति मे संस्थागत निवेशक अधिक बिक्री करेंगे, जिसके चलते साल के अंतिम तिमाही

मे भाव १७५० डालर/आउंस के स्तर तक देखे जा सकते है। इस साल की शुरुआत मे भाव मे मजबूती बन सकती है लेकिन इसके १% अधिक या १८२० डालर/आउंस तक जाने का अनुमान है।

गोल्ड का फंडामेन्टल भी अभी स्थिर है, इसका माइन उत्पादन अपने सामान्य स्तर पर पहुंच चुका है, यहां तक कि सीमित रिसायकल की स्थिति मे भी माइन उत्पादन की मात्रा पर्याप्त साबित होगी। मांग के क्षेत्र मे, कोविड से रिकवरी के बाद केवल ज्वैलरी उद्योग मे ही इसकी मांग बढ़ने का अनुमान है। हालांकि गोल्ड का भाव, ग्राहकों की पसंद मे परिवर्तन, सरकार की नीतियां इत्यादि ज्वैलरी की मांग को प्रभावित करेंगी। कुलमिलाकर बाजार मे साल २०२२ के दौरान सरप्लस रहने का अनुमान है।

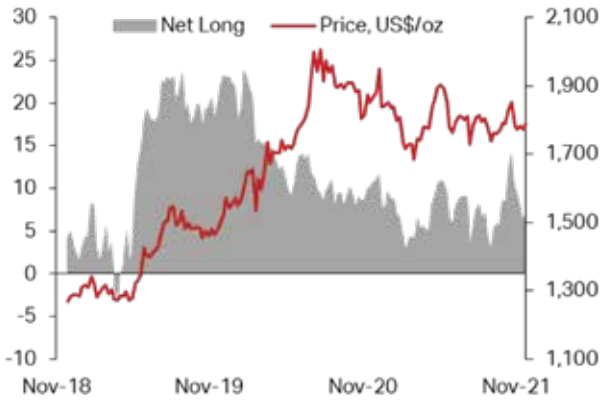

हर्षल बोराट मेटल फोकस मे सीनियर कन्सल्टेन्ट के रुप मे मुंबई मे कार्यरत है, इन्हें प्रिशियस मेटल्स एनालिसिस के क्षेत्र मे एक दशक से अधिक का अनुभव है। हर्षद, मेटल फोकस के अन्य साउथ एशियाई बाजार– श्रीलंका व नेपाल–मे रिसर्च का कार्यभार सम्हालते है।

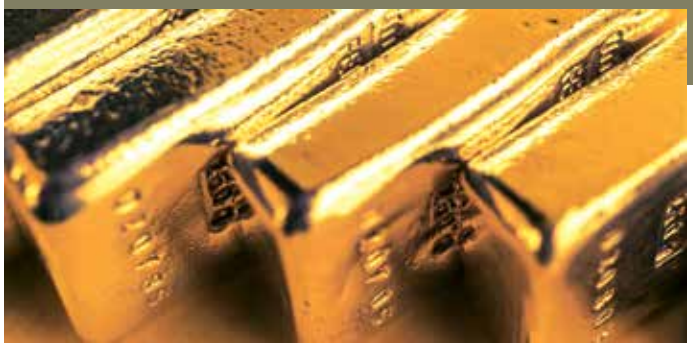

भौतिक मेटल से सकारात्मक आय अर्जित करने की पुरानी समस्या का समाधान संभव

A new approach to precious metals

श्री डेविड जे. मिचेल, फाउन्डिंग पार्टनर, ऑक्टस पोर्टफोलिओस

कृपया हमे ऑक्टस पोर्टफोलियो के बारे मे कुछ बताइये?

हमारे इस नये उद्यम की शुरुआत २०१४ मे हुई तथा ऐसा करने के लिये प्रेरणा मुझे तब मिली जब इन्डिगो प्रिशियस मेटल्स ग्रुप (आईपीएम) के सदस्यों द्वारा अपने पोर्टपोलियो मे विविधिकरण के लिये निवेश के लिये आते थे। इन्हे इस बात की सही जानकारी नही थी कि पोर्टफोलियों प्रिशियस मेटल्स किस प्रकार से शामिल किये जाने चाहिये। उदाहरण के लिये, कौन सा मेटल का चुनाव किया जाये, किस प्रकार का प्रदर्शन देखा जाना चहिये, एन्ट्री/ एग्जिट का समय तथा भविष्य मे क्या निर्णय लिया जाना चाहिये इत्यादि जानकारियां निवेशक पाना चाहते थे। हमारे पास आने वाले ग्राहक सक्षम तथा निवेश के क्षेत्र मे निपुण थे इसलिये उन्हे पता था कि अपने पोर्टफोलियों मे विविधिकरण के लिये प्रिशियस मेटल्स को शामिल किया जाना कितना आवश्यक है। गोल्ड एक ऐसा मेटल है जो इस क्षेत्र मे निवेश के लिये निवेशकों के सबसे पहले दिमाग मे आता है और इसके कोई अधिक रिसर्च पर जोर नही दिया जाता है।

CLICK HERE

Auctus Metal Portfolios' Senior Management Team, Interviewed by Roger Hirst of Real Vision Finance

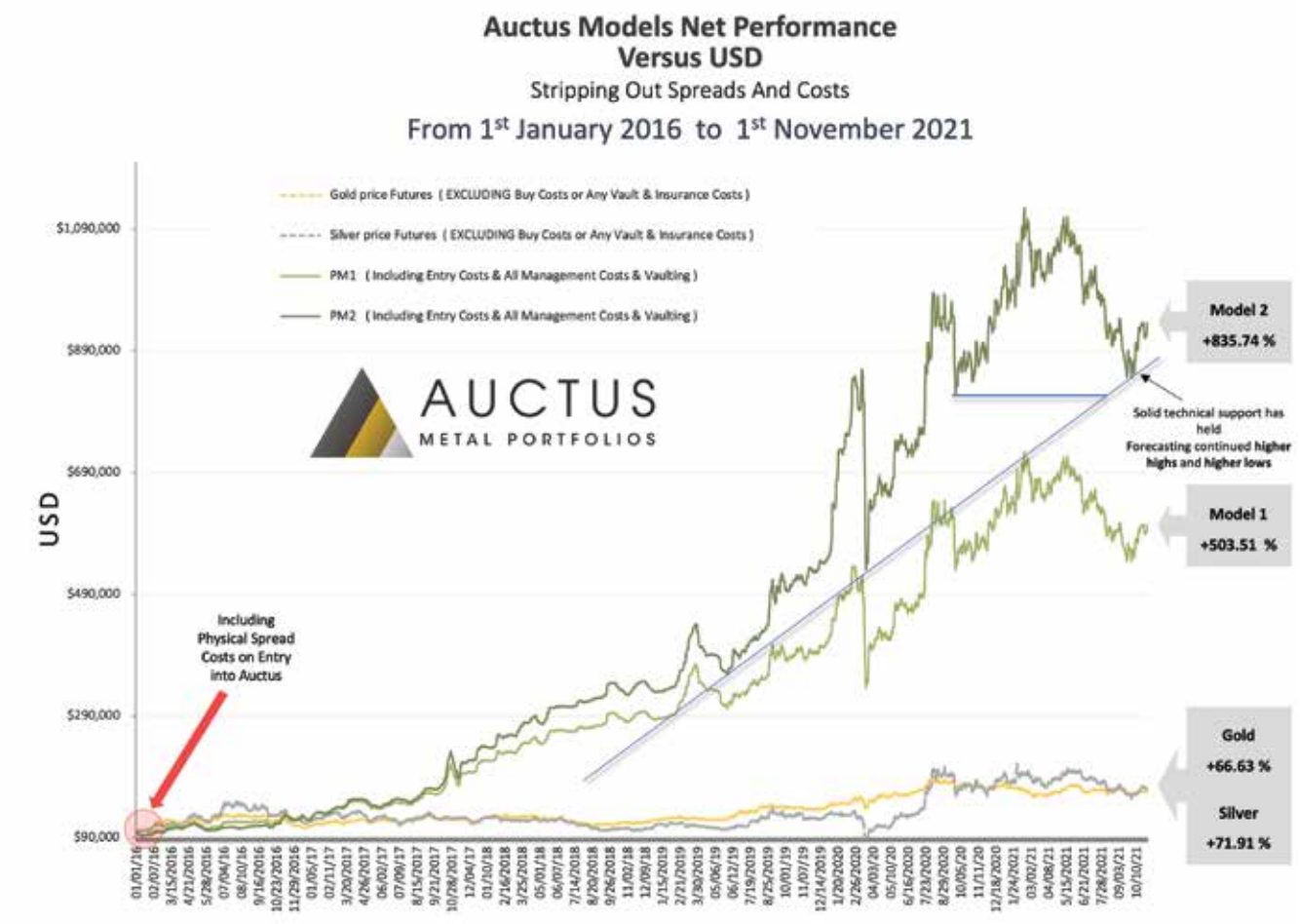

बुलियन बाजार मे मेटल्स की खरीदी या बिक्री किये जाने के अलावा कोई विशेष जानाकारियां उपलब्ध नही होती है इसलिये हमे यह लगा की इस क्षेत्र मे विशेष जानाकारियों के लिये एक बड़ी संभावना है।

वर्तमान मे आईपीएम ग्रुप ने गोल्ड बुलियन आस्ट्रेलिया ग्रुप से साझेदारी की है और इससे पोर्टफोलियो मेथोडोलॉजी का निर्माण हुआ और एक स्वतंत्र कंपनी ऑक्टस मेटल्स पोर्टफोलियो बनी। इस साझेदारी मे हमने तकनीकी विश्लेषण के क्षेत्र मे अनेकों नये रिसर्च तथा मॉडलिंग की तथा एक प्लेटफार्म का निर्माण किया है।

ऐसा माना जाता है कि पोर्टफोलियो विविधिकरण के लिहाज से प्रिशियस मेटल्स को शामिल किये जाने का प्रमुख उद्देश्य सुरक्षा प्राप्त करना है न कि विशेष आय या रिटर्न अर्जित करना, और यह विशेष रिटर्न सामान्यतया मिलता भी नही है। आप इसके लिये क्या नया सुझाव देते है?

मै इस बात को सिरे से खारिज करता हूं कि प्रिशियस मेटल्स से बड़ा रिटर्न प्राप्त करना संभव नही है। पिछले २–३ सालों मे प्रिशियस मेटल्स का प्रदर्शन को हर कोई देख सकता है, वर्ष २००० से गोल्ड का प्रदर्शन एस एन्ड पी ५०० तथा डॉवजोन्स शेयर सूचकांक से बेहतर रहा है। वर्ष १९७० से गोल्ड ने डॉनजोन्स सूचकांक को पछाड़ा तथा तथा एस एन्ड पी थोड़ा पीछे रहा है। इस तथ्य मे यह भी शामिल है कि १९८० से २००२ तथा २०११ से २०१६ के दौरान गोल्ड मे मंदी का दौर था, इसके बाजवूद सभी प्रकार के वित्तीय कारोबारी बाजार मे गोल्ड का प्रदर्शन सराहनीय रहा है।

जनवरी २०१३ से अब तक शेयर बाजार ने गोल्ड की तुलना मे बेहतर रिटर्न दिया है लेकिन अब इसके संकेत मिल रहें है कि पोर्टफोलियों मे विविधिकरन किये जाने जरुरत है, आज बड़े वित्तीय संस्थानों द्वारा अपने शेयर व बान्ड के साथ मेटल्स को विविधिकरण मे शामिल किये जा रहें है। हालांकि आलोचक मेरे से दो से पांच दशक पुरानें आंकड़ों तथा उस दौरान की परिस्थिति को आज से जोड़ने मे असमान्य महसूस कर रहे होंगे। लेकिन यदि उन सभी अवधियों

ABC BULLION

A PALLION COMPANY

Preserving Your Wealth Through Uncertainty

Your global bullion industry partner

LBMA GOOD DELIVERY REFINER · CME Group · SGE · SBMA · NATA ACCREDITED FOR TECHNICAL COMPETENCE · STANDARDS Australia · IEC · ilac · AUSTRALIAN MADE

abcbullion.com

SECURE • SMART

CERTILINE

Introducing the highest security features with the possibility to check originality, integrity & geolocalization of all your precious items.

Founded in 1989, Certiline s.r.l is located at the extreme reaches of Italy and Switzerland.
Guarantee of its excellence in making and expertise, Certiline s.r.l leads the world of security and anticounterfeiting systems.

Powered by the latest technology and machines, Certiline offers **an ecosystem of security services and solutions.**

Certiline niche products ensure the origin of valuable goods and **protect from any tampering and counterfeiting attempts.**

CertiCard®
CoinCard®
RingCard®
DiamondBox®
CertiEcoCard

Certiline iconic **high-tech sealing solutions** create and add value to your various items:
gold, diamond, coins, medals and jewelry.

We **care about what is precious to You and set high standards moving towards sustainable and eco-responsible products with You.**

www.certiline.com

• SUSTAINABLE
GEMOLOGICAL INSTITUTES
JEWELLERY RETAIL & GOLD SOUK
CertiCard®
SECURITY CASE
100g
999.9
FINE GOLD
www.certiline.com
CertiEcoCard
www.certiline.com
Certiline
Security Packaging Solutions

valcambi
suisse

The best time to buy a
CombiBarTM was 10 years ago.
The second best time is now.

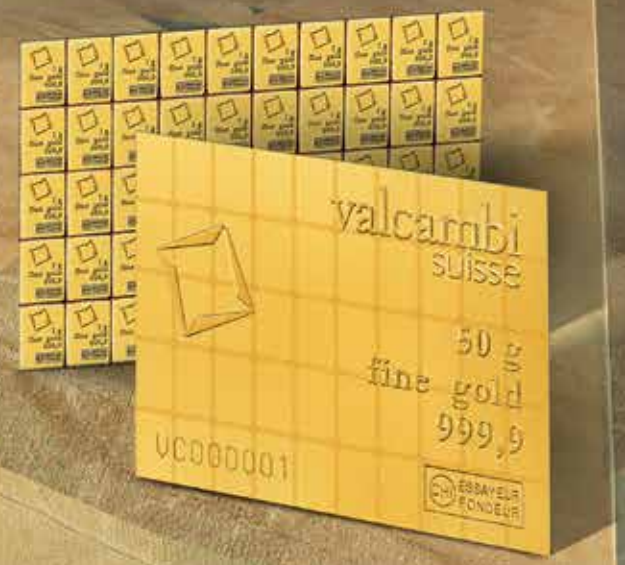

CHI ESSAYEUR FONDEUR

जैसे कि १९७० या २००२–२००३ का विश्लेषण करेंगे तो तर्क को स्वीकार करने मे सहजता होगी।

संपत्ति प्रबंधन के क्षेत्र मे पिछले पांच सालों के दौरान अच्छी तथा गहरी रिसर्च व आंकड़े विकसित हुए है। इसके चलते इस क्षेत्र की समझ तथा फंडामेन्टल्स पर पकड़ मजबूत हो गयी है।

गोल्ड एक मुद्रा है इसलिये इसमे मौद्रिक संग्रहणीकरण, विस्तार, सरकारी घाटा व व्यय नीतियां, रीयल व नॉमिनल ब्याज दर तथा अन्य आर्थिक पहलुओं के साथ विश्लेषण करने की आवश्यकता होती है। इसके साथ ही उत्पादन की लागतों का भी विश्लेषण निवेशकों द्वारा किया जाता है।

हाल मे प्रिशियस मेटल्स मे क्या संभावनायें है?

बढ़ते वैश्विक आर्थिक संकट ने नीति निर्माताओं को ब्याज दर नही बढ़ाने का दबाव है जिससे कि बान्ड यील्ड को काफी समय से शून्य के स्तर पर देखा जा सकता है, यह परिस्थिति गोल्ड के लिये एक आदर्श समय प्रस्तुत करता है।

वैश्विक स्तर पर सरकारी नीतियां प्रमुख रुप से २ दृष्टिकोण पर चल रही है– एमएमटी (मॉर्डन मॉनेटरी थ्योरी)। पहला, कोविड के लिये सुरक्षात्मक उपायों तथा इसके बाद अर्थव्यवस्था को वापस पटरी पर लाने के लिये बड़े स्तर पर सरकारी व्यय किये जाने की आवश्यकता है। दूसरा, बड़े स्तर पर करेंसी की सप्लाई ने अर्थव्यवस्था मे इन्फ्लेशन की स्थिति निर्मित कर दी है।

वैश्विक अवसंरचना निर्माण तथा प्रदूषण नियंत्रण नीतियों के क्रियान्वयन मे तेजी लाने से मध्यम व शार्ट अवधि मे कुछ मेटल्स पर बड़ा दबाव निर्मित किया है। औद्योगिक क्षेत्रों से बढ़ती मांग, खदानों से कम यील्ड वाले अयस्कों का उत्पादन, लागत मे वृद्धि इत्यादि से भी मेटल की मांग व सप्लाई मे असंतुलन होने का पूर्वानुमान लगाया जा रहा है। मौजूदा वैश्विक ऋण संकट, नकारात्मक रीयल व नॉमिनल ब्याज दरों तथा अन्य कारणों के चलते पोर्टफोलिओ मैनेजर व निवेशक विविधिकरण का प्रयास कर रहें है।

गोल्ड, सिल्वर, प्लेटिनम इत्यादि जैसे प्रिशियस मेटल्स हाल के समय मे एक सुरक्षित निवेश विकल्प के रुप मे सामने आये है। प्रिशियस मेटल्स मे लिक्विडिटी को भी देखना आवश्यक होता है। ऐसा इसलिये महत्वपूर्ण है क्योंकि सेन्ट्रल बैंक २०१० के बाद से लगातार बड़ी मात्रा मे प्रिशियस मेटल्स की खरीदी कर रहा है। जोखिम प्रबंधन के लिहाज से विविधिकरण एक महत्वपूर्ण निर्णय होता है, इसमे यह बात भी ध्यान मे रखनी चाहिये कि भिन्न आर्थिक परिस्थितियों मे मेटल्स का प्रदर्शन भी भिन्न होता है। पिछले दशकों से निवेशक शेयर, बान्ड, संपत्ति, नगद जैसे विकल्पों से अपने निवेश का संतुलन बनाते आये है।

प्रिशियस मेटल्स को अपने पोर्टफोलियो मे शामिल करने से पहले यह जानना जरुरी है कि इनका मूल्य भिन्न होता है तथा भिन्न आर्थिक दशाओं मे एक दूसरे के साथ मूल्यांकन बदल जाता है, प्रत्येक मेटल अपने आप मे अनूठा होता है। हमारी कंपनी का उद्देश्य बेहतर प्रदर्शन करने वाले मेटल्स से आय की संभावनायें तलाश करना तथा इन्हे अपने ग्राहको के साथ साझा करना है। हम अपने मॉडल के माध्यम से संभावनायें काफी जल्द तलाश कर सकते है जिससे कि निवेशकों को पर्याप्त समय प्राप्त हो जाता है।

जनवरी २०१६ मे आपकी कंपनी की सेवा की शुरुआत के बाद से ग्राहकों को कितना रिटर्न प्राप्त हुआ है जो कि ऑडिट किया गया है?

जिन ग्राहकों ने हमारे साथ जनवरी २०१६ से निवेश किया है उन्हे आजतक मे ८५०% तक का रिटर्न प्राप्त हो चुका है। हालांकि

प्रिशियस मेटल्स ने पिछले १५ माह मे अच्छा प्रदर्शन नही किया है जिसे कि पुराने भाव रुख से समझा जा सकता है, यह अभी तकनीकी रुप से अपनी नींव भर रहा है जिससे कि आगे बड़ी छलांग लगा सके है।

कृपया हमे आपके बीस्पोक मॉडल के बारे मे बतलाइये?

जब हम अपने ग्राहक के लिये वॉल्टिंग समाधान निर्मित कर रहे थे तब हम इस बात का ध्यान रख रहे थे कि ग्राहक को कोई भी थर्ड पार्टी या काउन्टर पार्टी जोखिम ना हो। इसके लिए हमने सामान्य सब–एकाउन्ट या कस्टोडियल एकाउन्ट नही अपनाने का निर्णय लिया क्योंकि इसमे काउन्टरपार्टी जोखिम अधिक होता है, इसके बदले हमने एक थर्ड पार्टी वॉल्टिंग समाधान मल्का अमित के रुप मे प्रदान किया है।

हमारे सभी ग्राहकों के वॉल्ट उनके पारिवारिक नाम से पृथक रखे गये है तथा मेटल्स का आवंटन भी त्वरित किया जाता है। सभी वॉल्ट लॉयड ऑफ लंदन से बीमित है तथा इनका नियमित ऑडिट भी होता है। हमारा पोर्टफोलियो ग्राहकों को लांग पोजिशन के लिये चुनाव करता है लेकिन उनकी जरुरतों के अनुसार इनकी बिक्री मे भी सहायता करता है। हमारे ग्राहक लॉगिन के माध्यम से अपने संपत्ति तथा होल्डिंग के बारे सभी जानकारियां किसी भी समय प्राप्त कर सकते है। हमारे पोर्टफोलियों मे निवेश के लिये न्युनतम सीमा २५०,००० सिंगापुर डालर या १८५,००० यूएस डालर है, हमारा मुख्यालय सिंगापुर मे है और हमारे ग्राहके मुख्यतः विश्व के सभी देशों मे है।

डेविड ने अपने कैरियर की शुरुआत १९८० के दशक मे एक कम्प्युटर रुप मे की, इस दौरान उन्हे रॉथशील्ड के ट्रेडिंग डेस्क मे कार्य करने का अवसर प्राप्त हुआ, और यहीं से वित्तिय बाजार मे इन्होने अपना कदम रखा। अपने २० सालों के कैरियर मे अग्रणी निवेश बैंको जैसे कि स्विस बैंक, एचएसबीसी, बैंक ऑफ अमेरिका तथा वैश्विक वित्तीय संस्थानों के साथ कार्य किया है।

साल २०१६ मे डेविड ने ऑक्टस मेटल्स पोर्टफोलियो की शुरुआत की जो कि भौतिक मेटल प्रबंधन तंत्र है तथा सिंगापुर फ्रीपोर्ट मे ग्राहकों के वॉल्ट का प्रबंधन करती है जिसमे गोल्ड, सिल्वर, प्लेटिनम, रोडियम तथा पैलेडियम जैसे प्रिशियस मेटल्स शामिल है। ये सभी वॉल्ट संबद्ध ग्राहकों के पारिवारिक नाम से होते है जो कि उनकी स्वामित्व को सुनिश्चित करता है।

SILVER STORY

सिल्वर स्टोरी– वर्क या सिल्वर फॉइल

खाने वाले सिल्वर फॉइल की मांग– सालाना २५० से २७५ टन है। मांग मे ३% वार्षिक की दर से बढ़त होने का अनुमान लगाया गया है। इस उद्योग का सकल मूल्यांकन लगभग ३,००० करोड़ रुपया किया गया है।

उद्योग संरचना– अत्यधिक असंगठित

निर्माण प्रक्रिया– पारंपरिक रुप से यह हाथों व मशीनों से बनी होती है। एफएसएसएआई के द्वारा गुणवत्ता मानकों मे कड़ाई लाने के पश्चात पारंपरिक मांग पर आमूलचूल परिवर्तन देखने को मिला है। बड़ें औद्योगिक खपतकर्ता जैसे कि आयुर्वेदिक उत्पाद व गुटखा निर्माताओं की ओर से गुणवत्ता युक्त उत्पादों को तरजीह दी जाने लगी है।

श्रेणी	rÉÉåaÉSÉIÉ
मशीन से बनी	25%
हाथों से बनी	50%
एल्युमिनियम/सिल्वर फॉइल	10%
प्रतिबंधित बाजार (ऐसे ग्राहक वर्ग जो कि इसकी निर्माण प्रक्रिया को मांसाहारी मानते हुए इसके बिना उत्पादों का उपयोग करना पसंद करते है)	15%

SILVER JEWELLERY

सिल्वर ज्वैलरी
सिल्वर फॉइल/वर्क का अनुप्रयोग

- मिठाईयों के सजाने
- घरेलु मिठाईयों को सजाने
- पान
- मेवे
- ईलायची की कोटिंग
- मसालों मे कोटिंग
- गुटखा उत्पादों
- केटरिंग
- आयुर्वेदिक दवाओं
- धार्मिक मूर्तियों की सजावट
- आंतरिक साज–सज्जा
- आईसक्रीम, केक व चॉकलेट
- रॉयल ड्रिंक्स/वाइन फ्लेक्स

मशीन निर्मित सिल्वर फॉइल के लाभ

- निर्माण के दौरान पशु माध्यमों का उपयोग नही
- ९९.९९% शुद्धता वाले सिल्वर का उपयोग
- एफएसएसएआई के सुरक्षा व गुणवत्ता मानकों का अनुपालन संभव
- अल्ट्राथिन उत्पादों का निर्माण संभव
- कोई मानवीय हस्तक्षेप नही, पूर्णतः मशीनीकृत
- १००% शाकाहारी
- ०.२, ०.३, ०.४ माइक्रॉन मे उपलब्ध

VARAK- Annealing process

मुख्य कंपनिया

- वर्निका– सिल्वर व गोल्ड वर्क का पसंदीदा विश्वसनीय ब्रान्ड
- श्री जगन्नाथ स्टर्लिंग प्रॉडक्ट्स प्रा. लिमि. (सिल्वर स्टार)
- सिल्वर फॉइल
- सिल्वर पत्तियां
- डीएस (धरमपाल सत्यपाल)
- बाबा ग्रुप
- जी.सी प्रॉडक्ट्स प्रा. लिमि., नोयडा
- जैनम सिल्वर लीव्स, अहमदाबाद
- अरिहंत सिल्वर प्रॉडक्ट्स प्रा. लिमि., अहमदाबाद
- जैनसन सिल्वर लीव्स प्रा. लिमि., अहमदाबाद
- एआरटी सिल्वर प्रा. लिमि. लखनऊ

AL ETIHAD GOLD

PURITY & QUALITY AT ITS BEST

Al Etihad is a story of awe-inspiring growth and transition, a journey that has made the company one of the most recognised and trusted gold and silver brands globally.

www.aletihadgold.com

P.O. Box 283648 | Tell: +971 4 242 4813 | Fax +971 4 242 4836

INDIA news

As mandatory hallmarking draws near, the number of registered jewellers surges

Following the government's decision to make hallmarking mandatory for gold jewellery from middle of June this year, the number of jewellers registered with the Bureau of Indian Standards (BIS) has nearly tripled from 43,153 in June 2021 to 1,24,034 as of November 15, according to data available with the Gem & Jewellery Export Promotion Council (GJEPC).

The ripple effects of mandatory hallmarking are already being felt by the retail industry as the move has boosted consumer confidence in gold, said a media release issued by GJEPC.

Source: https://economictimes.indiatimes.com

Unique identification for gold jewellery comes into effect

Hallmarking of gold jewellery with six-digit Alpha numeric numbers came into effect in all the districts of Kerala, except Idukki, along with 256 districts in the country where hallmarking facility is available. The Bureau of Indian Standards has stipulthe ated that all gold jewellers should provide the unique identification number for the jewellery they sell to ensure that customers got the gold of the stipulated purity as per international standards. Idukki has been exempted because there are no hallmarking facilities in the district.

Source: https://www.irishtimes.com

Rebound in gold imports widens India's trade deficit

Indian households are once again hoarding gold, pushing up the import bill and widening the trade deficit. The country's trade deficit widened to $122 billion in April-November 2021, as gold imports shot up despite its still elevated prices.

The gold import bill for the first eight months of the current fiscal year soared 170% compared to the same period of 2020-21 and so did the trade deficit. But comparisons with the corresponding period of last year is misleading as the economy was in a lockdown for most of the first quarter and under partial lockdown in the second quarter, denying households an opportunity to spend on non-essential goods.

Source: https://www.moneycontrol.com

India's Trade Deficit Widened As Gold Import Bills Have Surged

Indians are again bagging massive amounts of gold, although the prices surged this time. As they are buying gold from Indian markets, gold import bills are rising significantly, widening the trade deficits. In April-November, this year, India's trade deficit expanded to $122 billion. In the first 8 months of the current fiscal, gold import bills have surged 170% than to the same period of the earlier fiscal. This eventually increased the trade deficit of the country.

Source: https://www.goodreturns.in

RBI Tanks Up On Gold, Decline in Major Currencies Continues

RBI has bought 71 tonnes of gold in just 10 months this calendar year. Falling global prices of gold, economic uncertainty, decline in major currencies such as US dollar prompt the buying spree.

Gold has a very unusual lover. The charm of the yellow metal has had a potent impact on the Reserve Bank of India, which has been on a gold buying spree since 2009. In the first 10 months of this calendar year alone, India's central bank has bought 71 tonnes of gold, which is the second highest annual level of buying in the new millennium. In 2009, India bought 200 tonnes of gold from the International Monetary Fund (IMF).

Source: https://www.outlookindia.com

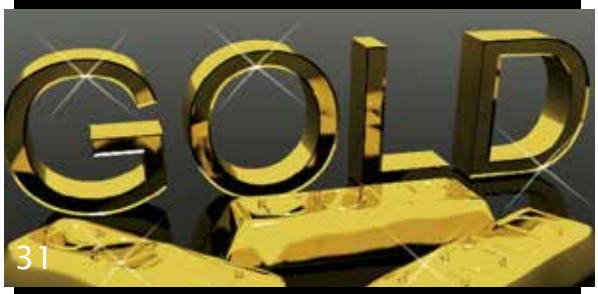

Government to sell confiscated gold only to RBI hereafter

Under the new guidelines, SPMCIL has been engaged for collection, transportation and conversion into standard gold bars and delivery to RBI

Finance Ministry has decided that hereafter seized or confiscated gold will be sold to the Reserve Bank of India (RBI) only. This does not include gold ornaments or jewellery.

The Ministry has amended the guidelines and the amended version says, "It has now been decided that henceforth seized/ confiscated gold will be sold (other than gold ornaments/ jewellery/articles) to RBI only. In this regard, the Board has consulted RBI and Security Printing and Minting Corporation of India Limited (SPMCIL) and also signed a tripartite Memorandum of Understanding (MOU) with them."

Old guidelines prescribed gold in various forms such as bullion, jewellery, ornament, seized/ confiscated by the field formations of CBIC including the Directorate of Revenue Intelligence to be sold to the Public Sector Banks and other agencies.

Source: https://www.thehindubusinessline.com

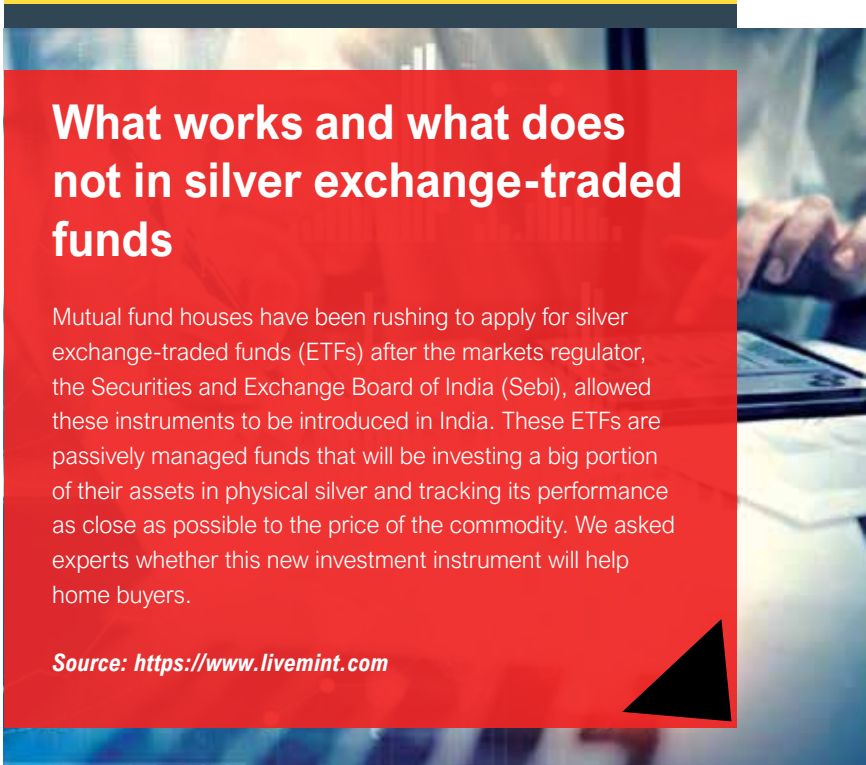

What works and what does not in silver exchange-traded funds

Mutual fund houses have been rushing to apply for silver exchange-traded funds (ETFs) after the markets regulator, the Securities and Exchange Board of India (Sebi), allowed these instruments to be introduced in India. These ETFs are passively managed funds that will be investing a big portion of their assets in physical silver and tracking its performance as close as possible to the price of the commodity. We asked experts whether this new investment instrument will help home buyers.

Source: https://www.livemint.com

MMTC-PAMP, India's only fully integrated ecosystem for gold and silver, enters Fortune 500 India list

MMTC-PAMP, India's only fully integrated ecosystem for gold and silver, announced its entry into the Fortune 500 India list which ranks India's largest corporations by revenue. It is the brand's debut on the index which was first instituted by Fortune India in 2010. With an annual reported revenue of Rs 21,204 crore in FY21, MMTC-PAMP ranks number 68th on the index, the highest amongst the new entrants in the list.

Speaking on the occasion, Mr Vikas Singh, MD & CEO, MMTC-PAMP said, "As India's largest refinery for both gold and silver, we are humbled to be ranked highest among all debutants in the latest Fortune 500 India List. We have the capacity to fulfill about 30% of India's requirement for gold, and in the last two years have set up a robust b2c business where we sell 24K, 999.9 purest gold coins and bars, premium silver products, and digital gold, an innovative new

age investment instrument, direct to consumers."

Source: https://economictimes.indiatimes.com

Surge in Gold Import Duty Revived Smuggling Trade in India

The latest focus report on India's bullion trade by the World Gold Council (WGC) states that import regulations on bullion have boosted unofficial gold flows in the country.

The report points out that smuggled gold reached the country, especially by sea from the western part of Asia and the CIS region during the period from 1960 and 1990, when the Gold Control Act was in force. After its abolition, these unofficial flows almost disappeared. It was in 2012, with the hike in import duty on gold, that the smuggling trade witnessed revival, the report said

Source: https://www.scrapmonster.com

India's Gem & Jewellery Exports Slumped in November

The Gem and Jewellery Export Promotion Council (GJEPC) announced marginal dip in overall gem and jewellery exports during the month of November this year.

According to GJEPC, the exports totalled INR 17,784.92 crore, higher by 4.21% compared to the same month a year before. The dip was mainly due to break in manufacturing activity during the festive season of Diwali. The exports had totalled at INR 18,565.31 crore in November 2020.

Source: https://www.scrapmonster.com

Planning wider implementation of mandatory gold hallmarking: Centre

The rollout of mandatory hallmarking of gold jewellery in 256 districts has been smooth so far and the process of expanding it to all districts of the country is now underway, according to the Consumer Affairs Ministry.

Hallmarking, a quality certification, has been made mandatory with effect from June 23, 2021 for 14, 18, and 22 carat gold jewellery and artifacts in 256 districts of the country, where there is at least one Assaying and Hallmarking Centre (AHC).

Source: https://www.business-standard.com

Muthoot Group's path to success is paved with gold

Gold loans have been the bulwark of the group's lending, even as it aims to diversify

It was gold loans that made the 134-year-old Muthoot Group's fortune. And during the pandemic it was gold loans that steadied the boat for Muthoot Finance, the NBFC which had been rapidly diversifying into other segments such as home loans, personal loans and vehicle financing — segments that were hit last year.

Branching out

Source: https://www.thehindubusinessline.com

India Gold Bar Imports Recorded Substantial Surge

The import statistics published by the Gem and Jewellery Export Promotion Council (GJEPC) indicates that the country's gold bar imports witnessed notable surge during the initial nine-month period (April '21-November '21) this fiscal year. The combined gold bar imports during the first nine months of the current fiscal year totalled $1,504.16 million. The imports skyrocketed by 167.33%, upon comparison with the imports that had totalled just $563.92 million during the corresponding nine-month period of the previous fiscal year. In rupee terms, the imports increased significantly from INR 4,169.09 crores to INR 11,145.28 crores, GJEPC data said.

Source: https://www.scrapmonster.com

INTERNATIONAL news

Irish central bank makes first reserve gold purchases since 2009

The Irish central bank has been adding to its gold reserves as inflation in the euro area runs far ahead of the European Central Bank target.

The Dublin-based institution's purchase of 2 tons of gold in recent months has ended a more than decade-long period of unchanged holdings of the precious metal.

Source: https://www.mining.com

The world's top 10 largest gold mines in Q2 2021 – report

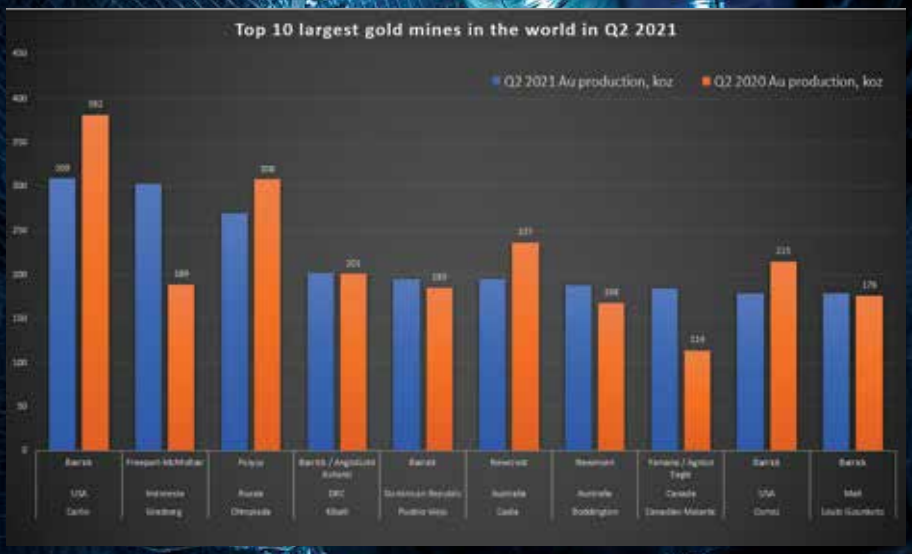

Source: https://www.kitco.com

WGC outlines gold sector's 'enormous' contribution

"This represented 63% of the total revenue they received from gold sales and equates to almost $1100 in value-added locally for every ounce of gold produced," the WGC said.

Barrick Gold welcomed the report, saying its status as an industry leader in socio-economic development was underscored by the comparison between its performance and the industrywide figures reported by the WGC.

Source: https://www.miningnews.net

The first half of 2022 will be the best time for gold price next year, says TD Securities

The 2022 gold outlook looks promising, with the first half of next year offering the best environment for the gold bulls, according to TD Securities' commodities outlook."Positive gold story in play for [the] first half of next year," wrote TD Securities commodity strategists.

The precious metal could be looking at a rally towards $1,900 an ounce during the first six months of the year as markets focus on economic growth, inflation and political risks.

"Political risks associated with the pending U.S. mid-term elections, U.S. fiscal drag, fairly steadfast central banks gold purchases, and a significantly slower pace of U.S. and global recovery are additional factors which may see investor rekindle their interest in gold," said TD Securities global head of commodity markets strategy Bart Melek. "These factors should help lift gold into $1,900/oz territory in the first half of 2022, as per our projections."

Source: https://www.kitco.com

LBMA/LPPM/IPMI Seminar 2021

The LBMA/LPPM/IPMI Seminar took place virtually, 1 December, after the reintroduction of COVID-19 related travel and quarantine requirements meant the in-person event could no longer be held.

The insightful presentations were delivered virtually to some 180 attendees. Edel Tully (Head of Communications, LBMA) moderated the sessions, which began with James Steel (Chief Precious Metals Analyst, HSBC) and his presentation 'Gold: Historical Friends and Foes.' James, expanding on the adage 'you're judged by the company you keep,' drew comparisons between various historical figures who were either pro-gold (Churchill, Ronald Raegan, Margaret Thatcher) or anti-gold (Lenin, Stalin, Hitler) and their political leanings – and surmised how gold is essentially a political and economic critique. "Gold cannot be managed in the same way as fiscal policy," explained Jim. "It is a barometer of public opinion on leaders and policies."

Source: https://www.lbma.org.uk

SEBA Bank launches regulated gold token to enable digital ownership of physical gold

"Gold plays a major role in the capital markets. With a market cap of over $11 trillion, it offers investors a reliable hedge against inflation and a store of value irrespective of economic turbulence," says SEBA Bank CEO Guido Buehler.

Source: https://cointelegraph.com

Central banks register marginal net purchases in October

We've published our closely-watched central bank statistics, updated through October 2021.1 And the latest data shows that central banks bought 2t of gold in October, as decent buying was counteracted by sales from a handful of banks.

This is the lowest monthly total in 2021 since January's 13t net sale.

Central bank net purchases in October were the lowest monthly total since January *

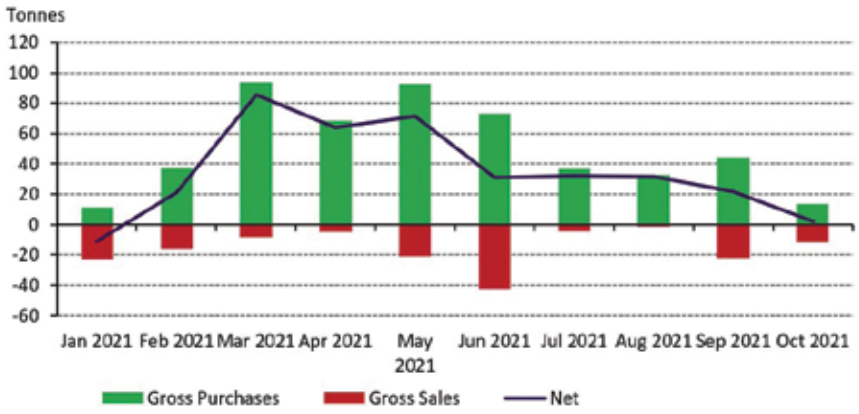

*Data to 30 October 2021.

Source: IMF IFS, Respective Central Banks, World Gold Council

Compared to H1, monthly central bank buying remains muted in H2. The sizeable and sporadic purchases which marked the first half of the year have been largely absent, and instead we've seen more regular, modest accumulation from several buyers.

Bank of Ghana to start gold purchase from small scale miners – Bawumia

The Vice President, Dr. Mahamudu Bawumia has indicated that in conjunction with the Bank of Ghana, government will begin a gold purchase programme which will involve the purchasing of gold from the small scale mining sector in the country.

Speaking at the maiden edition of the Responsible Small Scale Mining Awards, Dr. Bawumia revealed that "after series of deliberations, the Bank of Ghana has been persuaded to start this programme which is going to be the first of it's kind in history".

Source: https://www.myjoyonline.com

China's gold imports via Hong Kong dip in November

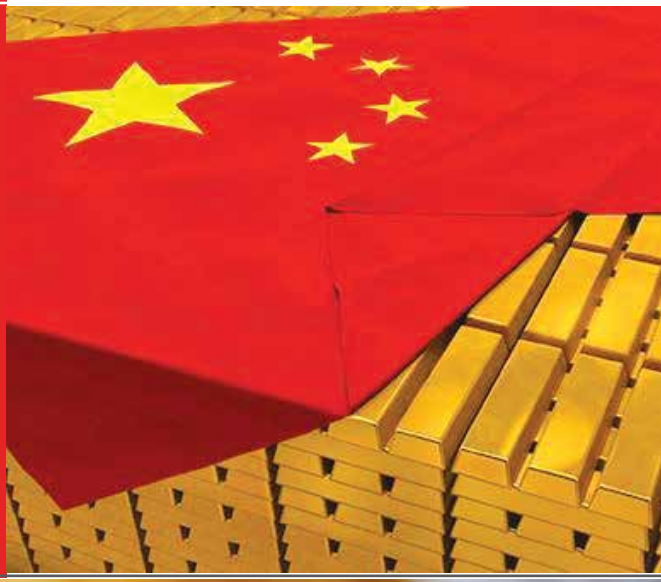

China's net gold imports via Hong Kong dropped 16.5per cent in November from the previous month, Hong Kong Census and Statistics Department data showed, although analysts expect demand to pick up ahead of the Lunar New Year.

Net imports stood at 45.321 tonnes in November compared with 54.262 tonnes in October, the data showed. Total gold imports via Hong Kong fell 12.3per cent to 50.672 tonnes from 57.804 tonnes the previous month.

Source: https://www.channelnewsasia.com

LBMA Precious Metals Market Volumes: Turnover Figures for November 2021

Welcome to our monthly analysis of LBMA trading volumes for the major precious metals.

As usual, there are some interesting patterns to explore.

There were some similarities in November trends to those of October, in that spot volumes increased for palladium but declined for gold, silver and platinum, while LoanLeaseDeposit volumes increased again for gold, silver and platinum, but declined for palladium. In the other areas, options volumes declined with the exception of gold, as was the case in swaps and forwards.

Gold volumes overall were unremarkable, as indeed was the price trajectory over the month.

Silver spot volumes were very variable, as they were in platinum, while although there were some very quiet days in palladium, equally there were days when volumes spiked; we look more closely at all of this below.

Source: https://www.scrapmonster.com

India should adopt the Responsible Gold Guidance of the London Bullion Market Association

Regular news reports of seizures of gold only goes to show that India's love affair with the shiny metal continues unabated. This is despite the fact that licit imports of gold have been about 750 tonnes annually. The Reserve Bank of India (RBI) itself has 743.84 metric tonnes of gold as of end-September 2021. This constitutes nearly 5.88% of the total foreign exchange reserves.

Source: https://economictimes.indiatimes.com

Developing, Driving and Connecting ASEAN's Bullion Market

The SBMA is the principal market development agency for the precious metals trade in Singapore.

Our mission is to develop Singapore as ASEAN's precious metals trading hub.

As the first touch point between governmental/regulatory bodies and market participants, we maintain good links and relationships with fellow associations in ASEAN countries and beyond, further connecting our market participants through networking events and outgoing business missions to these countries.

We are also a source of industry knowledge and information, and can share best practices and industry know-how.

For direct enquiries, please email

Albert Cheng, CEO
albert.cheng@sbma.org.sg

Margaret Wong, Business Manager
margaret.wong@sbma.org.sg

For more information, please visit our website at www.sbma.org.sg

Singapore Bullion Market Association
9 Raffles Place, Level 58, Republic Plaza, Singapore 048619, Telephone: +65 6823 1301

IBJA Opening & Closing Rates for Gold and Silver

(All rates in INR)

	Gold 999		Gold 995		Gold 916		Gold 750		Gold 585		Silver 999	
Date	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)	(AM Price)	(PM Price)
	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	10 Gms	1 Kg	1 Kg
12-01-2021	47849	47807	47657	47616	43830	43791	35887	35855	27992	27967	62218	62069
12-02-2021	47618	47601	47427	47410	43618	43603	35714	35701	27857	27847	60727	60789
12-03-2021	47530	47544	47340	47354	43537	43550	35648	35658	27805	27813	61017	60843
12-06-2021	47877	47875	47685	47683	43855	43854	35908	35906	28008	28007	61233	60992
12-07-2021	47831	47863	47639	47671	43813	43843	35873	35897	27981	28000	61137	61127
12-08-2021	48129	48109	47936	47916	44086	44068	36097	36082	28155	28144	61523	61227
12-09-2021	47966	47968	47774	47776	43937	43939	35975	35976	28060	28061	61219	60988
12-10-2021	47836	47816	47644	47625	43818	43799	35877	35862	27984	27972	60094	60155
12-13-2021	48109	48190	47916	47997	44068	44142	36082	36143	28144	28191	60941	60931
12-14-2021	48294	48212	48101	48019	44237	44162	36221	36159	28252	28204	60980	60885
12-15-2021	47975	48065	47783	47873	43945	44028	35981	36049	28065	28118	60375	60251
12-16-2021	48414	48384	48220	48190	44347	44320	36311	36288	28322	28305	61074	61071
12-17-2021	48761	48791	48566	48596	44665	44693	36571	36593	28525	28543	61711	61811
12-20-2021	48737	48527	48542	48333	44643	44451	36553	36395	28511	28388	61243	61106
12-21-2021	48192	48311	47999	48118	44144	44253	36144	36233	28192	28262	60939	61659
12-22-2021	48125	48105	47932	47912	44083	44064	36094	36079	28153	28141	61393	61520
12-23-2021	48345	48292	48151	48099	44284	44235	36259	36219	28282	28251	61883	61802
12-24-2021	48280	48264	48087	48071	44224	44210	36210	36198	28244	28234	61843	61883
12-27-2021	48308	48171	48115	47978	44250	44125	36231	36128	28260	28180	61497	61416
12-28-2021	48255	48318	48062	48125	44202	44259	36191	36239	28229	28266	62105	62225
12-29-2021	48068	47876	47876	47684	44030	43854	36051	35907	28120	28007	62154	61588
12-30-2021	47838	47798	47646	47607	43820	43783	35879	35849	27985	27962	61096	61133

The above rates are exclusive of GST/VAT

Bullion - Data & Statistics

Gold Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Gold	01st Dec	30th Dec	% Change
Australia (AUD)	2506.96	2504.50	-0.10
Britain (GBP)	1341.97	1345.11	0.23
Canada (CAD)	2282.66	2314.33	1.39
Europe (Euro)	1574.16	1603.46	1.86
Japan (Yen)	201152.52	208932.06	3.87
Switzerland (CHF)	1640.48	1659.34	1.15
USA (USD)	1781.87	1815.71	1.90

Silver Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Silver	01st Dec	30th Dec	% Change
Australia (AUD)	31.48	31.82	1.08
Britain (GBP)	16.85	17.09	1.41
Canada (CAD)	28.67	29.40	2.56
Europe (Euro)	19.77	20.37	3.06
Japan (Yen)	2525.73	2652.50	5.02
Switzerland (CHF)	20.60	21.08	2.34
USA (USD)	22.37	23.05	3.05

Monthly Exchange Data (Gold) (From December 01-30)						
Exchange	**Commodity**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Gold Apr 22	1778.40	1823.80	1755.40	1823.80	2.56
SHANGHAI –SHFE[4]	Gold Apr 22	371.24	376.18	364.86	371.72	0.24
MCX[1]	Gold Apr 22	47973.00	48916.00	47543.00	47989.00	0.16
TOCOM[3]	Gold Apr 22	6512.00	6702.00	6399.00	6643.00	1.92

1- Rs/10 gms, 2- $/oz, 3- Jpy/gm 4 (RMB) Yuan/gram 5 - $/gram

Monthly Exchange Data (Silver) (From December 01-30)						
Exchange	**Commodity**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Silver Mar 22	22.88	23.48	21.41	23.20	1.69
MCX[1]	Silver Mar 22	62325.00	63239.00	60050.00	62160.00	-0.20
TOCOM[3]	Silver Apr 22	83.60	85.70	81.30	84.00	-1.52

1- Rs/kg, 2- $/oz, 3- Jpy 0.1/gm

Gold Spot Market, India			Rs/10gm
Spot Gold	**01st Dec**	**30th Dec**	**% chg**
Ahmedabad	47590.00	47565.00	-0.05
Bangalore	48538.00	48781.00	0.50
Chennai	47185.00	47408.00	0.47
Delhi	48532.00	48825.00	0.60
Mumbai	47616.00	47607.00	-0.02
Hyderabad	47142.00	47354.00	0.45
Kolkata	48727.00	49040.00	0.64

Currency Change (Monthly)		
	01st Dec	**30th Dec**
EUR/USD	1.1319	1.1323
USD/AUD	1.4069	1.3789
USD/GBP	1.3277	1.3494
USD/INR	75.00	74.40
USD/JPY	112.75	115.06

Silver Spot Market, India			Rs/kg
Spot Silver	**01st Dec**	**30th Dec**	**% chg**
Mumbai	61821.00	60870.00	-1.54

Bullion - Data & Statistics

LBMA Gold & Silver Price (Per Troy Ounce)

	GOLD AM			GOLD PM				SILVER		
DATE	USD AM	GBP AM	EUR AM	USD PM	GBP PM	EUR PM	DATE	USD PM	GBP PM	EUR AM
12-01-2021	1786.80	1341.89	1577.74	1789.25	1340.69	1576.51	12-01-2021	22.86	17.16	20.19
12-02-2021	1775.70	1333.91	1567.41	1765.00	1325.52	1556.91	12-02-2021	22.40	16.80	19.75
12-03-2021	1773.50	1335.27	1568.48	1767.55	1335.38	1566.93	12-03-2021	22.35	16.85	19.76
12-06-2021	1781.25	1343.60	1575.16	1778.65	1343.24	1575.71	12-06-2021	22.34	16.82	19.78
12-07-2021	1779.65	1342.21	1579.08	1781.35	1346.17	1584.69	12-07-2021	22.44	16.93	19.93
12-08-2021	1789.80	1354.52	1585.76	1783.80	1351.05	1577.59	12-08-2021	22.43	16.97	19.89
12-09-2021	1783.40	1351.28	1576.17	1776.15	1345.61	1571.36	12-09-2021	22.25	16.88	19.66
12-10-2021	1771.90	1342.39	1571.85	1779.75	1346.91	1576.50	12-10-2021	21.90	16.59	19.43
12-13-2021	1784.45	1347.44	1583.70	1787.80	1348.36	1584.17	12-13-2021	22.22	16.76	19.71
12-14-2021	1782.35	1346.03	1575.24	1776.90	1342.09	1572.56	12-14-2021	22.17	16.73	19.59
12-15-2021	1769.40	1334.30	1570.17	1768.65	1337.81	1570.91	12-15-2021	21.81	16.45	19.35
12-16-2021	1785.15	1344.04	1578.25	1795.70	1347.31	1584.35	12-16-2021	22.18	16.65	19.63
12-17-2021	1807.50	1359.60	1595.84	1807.70	1361.20	1598.91	12-17-2021	22.65	17.04	20.01
12-20-2021	1797.40	1362.07	1595.73	1796.30	1358.54	1590.26	12-20-2021	22.30	16.88	19.78
12-21-2021	1795.85	1355.51	1590.40	1793.75	1354.64	1591.42	12-21-2021	22.75	17.17	20.15
12-22-2021	1789.90	1345.65	1584.96	1792.80	1344.78	1584.66	12-22-2021	22.66	17.02	20.05
12-23-2021	1805.55	1345.32	1594.12	1805.20	1346.50	1595.98	12-23-2021	22.82	16.98	20.15
12-29-2021	1796.35	1338.82	1591.93	1794.25	1331.33	1581.27	12-29-2021	22.84	16.99	20.21
12-30-2021	**1799.25**	**1335.04**	**1590.72**	**1805.85**	**1336.51**	**1593.48**	**12-30-2021**	**22.77**	**16.88**	**20.10**

Disclaimer: All references to LBMA Gold Price are used with the permission of ICE Benchmark Administration Limited and have been provided for informational purposes only. ICE Benchmark Administration Limited accepts no liability or responsibility for the accuracy of the prices or the underlying product to which the prices may be referenced.

LBMA Silver Price ("Benchmark") is owned by The London Bullion Market Association ("LBMA"), calculated by CME Benchmark Europe Ltd. ("CMEBEL") and administered by Thomson Reuters Benchmark Services Ltd. ("TRBSL").

None of LBMA, CMEBEL, TRBSL, their group companies, nor any of their or their group companies' respective directors, officers, employees or agents (collectively the "Disclaiming Parties") shall be liable in respect of the accuracy or the completeness of the Benchmark or the market data related thereto ("Market Data") and none of the disclaiming parties shall have any liability for any errors, omissions, delays or interruptions in providing the Benchmark or market data.

Sources:

www.mcxindia.com
www.Ncdex.com
www.cmegroup.com
www.tocom.or.jp/Indian
www.barchart.com
www.forexpros.com
Domestic Spot precious metals prices Newspaper
www.lbma.org.uk/index.html
www.netdania.com

GUJARAT GOLD CENTRE

Now you can purchase all range of GOLD & SILVER Coins and Bars through

www.gujaratgoldcentre.com

ASSAYING

With more 20,000 fire assays being performed every year, GGC has engaged growth in the business by operating through three nationally and internationally accredited Gold Assay Laboratories.

REFINING

Here we treat the gold to cleanse the surroundings with our refinery being the first private plant in India to successfully establish and maneuver an environment friendly process.

HALLMARKING

Shielding you from the unworthiness of your jewelry, the hallmarking of each gold piece is carried out by the CNC Laser Marking machine, which is a non-impact method.

info@gujaratgoldcentre.com | www.gujaratgoldcentre.com

HOME DELIVERY | SECURED PAYMENT | GUARANTEED PURITY | SAVE MONEY

SOVEREIGN
METALS LIMITED

Sovereign Metals Limited is in the business of refining precious metals (gold and silver) and supplying highest and most consistent quality products and related services and solution to customers at their place of convenience by leveraging its competent and customer-focused human resources, industry-leading technology infrastructure and transparent and globally compliant-sourcing practices.

Sovereign Metals Limited would pursue environmentally sustainable manufacturing practices and would strive to be a world leader in its chosen segment from India.

www.sovereignmetals.in

MMTC·PAMP

Swiss Excellence.
Made in India.

THE UNDISPUTED AUTHORITY ON GOLD WELCOMES YOU.

Industry leading 999.9 purity through best technology

Partnership with PAMP-SA, one of the world's most trusted and accredited refiners

Accredited by the London Bullion Market Association - the industry's foremost distinction

Rich heritage of Swiss craftsmanship

For Business or Trade inquiry please contact at: 011 49684200 or email: info@mmtcpamp.com